IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 1, June 2019
Impact Factor: 4.819

xk/khbTe vk¶Vj xk/kh

M,- tkon v[rj
राजनीति विज्ञान विभाग
राजकीय पीजी कॉलेज, छर्रा, अलीगढ़

Ikjk'k% ''राष्ट्रपिता'' महात्मा गांधी (1869–1948) ने न केवल भारत के राजनीतिक क्षेत्र में विलक्षण कार्य किया, अपितु संसार के राजनीतिक चिंतन में बड़ी क्रान्तिकारी मौलिक भूमिका अदा की। गांधी जी द्वारा प्रतिपादित सिद्धांतों को ''गांधीवाद''/''गांधीइज्म'' का नाम दिया जाता है, जबकि गांधी जी ने प्लेटो, अरस्तू या मार्क्स की भांति क्रमबद्ध या व्यवस्थित रूप से किन्हीं विशेष सिद्धांतों की विवेचना नहीं की, अपितु परिस्थितियों के अनुसार चिंतन किया, और लेखन कार्य किया।

विनोबा भावे के शब्दों में ''किसी ने गांधी जी को यह सुझाव दिया कि वह अपने विचारों को लेखबद्ध करें। इस पर महात्मा गांधी जी ने उन्हें जवाब दिया 'एक तो मेरे पास समय नहीं है, और दूसरे मैं अब भी प्रयोग ही कर रहा हूँ। इसलिये यदि मेरे विचारों को लेखबद्ध होना ही है तो ऐसा स्वतः और क्रमशः विकसित होकर ही होगा।'''

e[;'kCn% महात्मा गांधी के वैचारिक दर्शन

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in